

शास्त्र पुं. (तत्.) 1. किसी विषय का संपूर्ण और क्रमबद्ध ज्ञान 2. विज्ञान 3. कोई ऐसी आज्ञा, आदेश, विधा जो निर्धारित नियमों, विधानों के अनुसार आचरण, व्यवहार करने के लिए लिपिबद्ध किए गए हों या व्यवहृत हो 4. धर्मग्रंथ जिसमें आचार, नीति आदि के नियमों का विधान किया गया हो जिसे लोग पवित्र भाव से मानते हों जैसे- हिन्दू शास्त्रों में मनुस्मृति, वेद, वेदांग, पुराण, गीता आदि 5. छंद एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 20 मात्राएँ होती हैं तथा अंत में क्रमशः गुरु-लघु होते हैं 6. किसी के द्वारा किसी विषय पर प्रतिपादित मत या सिद्धांत।

शास्त्रकवि पुं. (तत्.) शास्त्र नियमों के अनुसार कविता सृजन करने वाला कवि, किसी एक विधा का कवि।

शास्त्रकार पुं. (तत्.) शास्त्र, धर्मशास्त्र की रचना करने वाला, शास्त्र निर्माता।

शास्त्रकोविद पुं. (तत्.) शास्त्रों का विद्वान, शास्त्र विशेषज्ञ, शास्त्रवेत्ता।

शास्त्रचक्षु पुं. (तत्.) 1. ज्योतिष शास्त्र 2. अन्य शास्त्रों के अध्ययन के लिए नेत्र के समान उपयोगी शास्त्र 3. व्याकरण 4. पंडित, विद्वान।

शास्त्रचर्चा स्त्री. (तत्.) किसी शास्त्र, शास्त्रों पर विचार विमर्श, परिचर्चा।

शास्त्रचिंतापर वि. (तत्.) शास्त्र, शास्त्रों का चिंतन-मनन, अनुशीलन करने वाला, शास्त्र प्रेमी।

शास्त्रज्ञ पुं. (तत्.) 1. शास्त्रों का जानकार, ज्ञाता, शास्त्रवेत्ता 2. धर्मशास्त्रों का आचार्य।

शास्त्रत्व पुं. (तत्.) शास्त्र का धर्म, भाव, शास्त्रीयता।

शास्त्रदर्शी वि. (तत्.) शास्त्रज्ञ, शास्त्रवेत्ता, शास्त्रों का अच्छा जानकार।

शास्त्रदृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. शास्त्र का मत, शास्त्रीय विचार 2. शास्त्र को मानने का भाव।

शास्त्र प्रवक्ता पुं. (तत्.) शास्त्रों पर प्रवचन करने वाला, शास्त्र-प्रवाचक, शास्त्रोपदेशक, धर्मोपदेशक।

शास्त्रवाद पुं. (तत्.) शास्त्र को पूर्णतः एवं सर्वोपरि मानने का सिद्धांत जिसमें अपनी बुद्धि एवं तर्क का कोई स्थान नहीं है।

शास्त्र विधान पुं. (तत्.) दैनिक आचरण और व्यवहार के बारे में शास्त्रों में निहित नियम, आदेश, शास्त्र-विधि।

शास्त्र-विधि स्त्री. (तत्.) 1. शास्त्र विधान, शास्त्रों के नियम आदेश 2. शास्त्रों के नियमों के अनुसार।

शास्त्र विमुख वि. (तत्.) 1. जो धर्मशास्त्र के अध्ययन से पराङ्मुख हो, धर्मशास्त्र न पढ़ने वाला 2. धर्मशास्त्रों को न मानने वाला।

शास्त्रविरुद्ध वि. (तत्.) 1. जो किसी शास्त्र के कथन, नियम के प्रतिकूल या विपरीत हो 2. धर्मशास्त्र के विधान, आदेश के विपरीत।

शास्त्र विरोध पुं. (तत्.) 1. धर्मशास्त्रों की आज्ञाओं में परस्पर विरोध 2. धर्म शास्त्र विरुद्ध कार्य।

शास्त्रविहित वि. (तत्.) शास्त्रसम्मत, शास्त्रानुमोदित, जो शास्त्रों में निर्धारित हो, शास्त्र संगत।

शास्त्रचिंतापरा वि./स्त्री. (तत्.) शास्त्र चिन्तन करने वाली।

शास्त्रसंगत वि. (तत्.) शास्त्र सम्मत, जो शास्त्रों के नियमों, आदेशों के अनुकूल हो, शास्त्रानुमोदित, शास्त्रविहित।

शास्त्राचरण वि. (तत्.) 1. शास्त्रों के नियमों के अनुसार आचरण करना, शास्त्रों के अनुसार चलना, शास्त्रों को मानना 2. शास्त्रों का अध्ययन और मनन।

शास्त्रातिक्रम पुं. (तत्.) शास्त्र की आज्ञा का उल्लंघन, शास्त्र के नियमों के विरुद्ध आचरण।

शास्त्रातिग वि. (तत्.) शास्त्रविमुख, शास्त्र पराङ्मुख।

शास्त्रानुमोदित वि. (तत्.) शास्त्र सम्मत, शास्त्रविहित, जो शास्त्र के अनुसार हो।